LOYOLA SCHOOL, BHUBANESWAR

Half Yearly Evaluation – September 2025

Class –VIII	**Subject: 2nd Language (Hindi)**	**F.M.= 80**	**Time: 2½ Hrs.**

SECTION-A (40 Marks)

1. **निम्नलिखित किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 250 से 300 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए** [15]

(i) यात्रा एक उत्तम रुचि है। यात्रा करने से ज्ञान तो बढ़ता ही है, साथ ही स्थान विशेष की संस्कृति तथा परंपराओं का परिचय भी मिलता है। अपनी किसी यात्रा के अनुभव तथा रोमांच का वर्णन करते हुए एक प्रस्ताव लिखिए।

(ii) "काल करै सो आज कर, आज करै सो अब।
पल में परलै होइगी, बहुरि करेगा कब।।"- उक्ति को आधार बनाकर कोई मौलिक कहानी, घटना या लेख लिखिए।

(iii) 'वन है तो भविष्य है' आज हम उसी भविष्य को नष्ट कर रहे हैं, कैसे? कथन को स्पष्ट करते हुए जीवन में वनों के महत्त्व पर अपने विचार लिखिए।

(iv) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, घटना या कहानी लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

2. **निम्नलिखित किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।** [7]

(i) आपका छोटा भाई दसवीं की परीक्षा में अच्छा ग्रेड लाने पर मोटरसाइकिल उपहार स्वरूप पिता जी से लेना चाहता है, उसे समझाते हुए पत्र लिखिए कि इस उम्र में मोटरसाइकिल लेना उचित नहीं है।

(ii) आपके विद्यालय की कैंटीन में खाद्य सामग्री की घटती गुणवत्ता की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

3. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए** - [10]

कहा जाता है कि हमारा लोकतंत्र यदि कहीं कमज़ोर है तो उसकी एक बड़ी वजह हमारे राजनीतिक दल हैं। वे प्रायः अव्यवस्थित हैं, अमर्यादित हैं और अधिकांशतः निष्ठा और कर्मठता से संपन्न नहीं हैं। हमारी राजनीति का स्तर प्रत्येक दृष्टि से गिरता जा रहा है। लगता है उसमें सुयोग्य और सच्चरित्र लोगों के लिए कोई स्थान नहीं है। लोकतंत्र के मूल में लोकनिष्ठा होनी चाहिए, लोकमंगल की भावना और लोकानुभूति होनी चाहिए और लोकसंपर्क होना चाहिए। हमारे लोकतंत्र में इन आधारभूत तत्वों की कमी होने लगी है, इसलिए लोकतंत्र कमज़ोर दिखाई पड़ता है।

हम प्रायः सोचते हैं कि हमारा देश-प्रेम कहाँ चला गया, देश के लिए कुछ करने, मर-मिटने की भावना कहाँ चली गई? त्याग और बलिदान के आदर्श कैसे, कहाँ लुप्त हो गए? आज हमारे लोकतंत्र को स्वार्थांधता का घुन लग गया है। क्या राजनीतिज्ञ, क्या अफसर, अधिकांश यही सोचते हैं कि वे किस तरह से स्थिति का लाभ उठाएँ, किस तरह एक-दूसरे का इस्तेमाल करें। आम आदमी अपने आपको लाचार पाता है और ऐसी स्थिति में उसकी लोकतांत्रिक आस्थाएँ डगमगाने लगती हैं।लोकतंत्र की सफलता के लिए हमें समर्थ और सक्षम नेतृत्व चाहिए, एक नई दृष्टि, एक नई प्रेरणा, एक नई संवेदना, एक नया आत्मविश्वास, एक नया संकल्प और समर्पण आवश्यक है। लोकतंत्र की सफलता के लिए हम सब अपने आप से पूछे कि हम देश के लिए, लोकतंत्र के लिए क्या कर सकते हैं? और हम सिर्फ पूछकर ही न रह जाएँ, बल्कि संगठित होकर समझदारी, विवेक और संतुलन से लोकतंत्र को सफल और सार्थक बनाने में लग जाएँ।

(i) हमारे लोकतंत्र की कमज़ोरी का कारण क्या है?

(ii) आज राजनीति का स्तर क्यों गिरता जा रहा है?

(iii) लोकतंत्र के आधारभूत तत्व कौन-से हैं? इनकी कमी का लोकतंत्र पर क्या असर पड़ा है ?

(iv) लोकतंत्र को सफल बनाने के लिए क्या करना चाहिए?

(v) आम आदमी की लोकतांत्रिक आस्थाएँ क्यों डगमगाने लगती हैं?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनकर लिखिए। [8]

1 - 'अनुपम' शब्द का पर्यायवाची शब्द है -

(i) निराला , मनोज

(ii) विबुध , कानन

(iii) तरी , अपूर्व

(iv) अनूठा , निराला

2 - ' उर्वर ' शब्द का विलोम है -

(i) खसर (ii) ऊसर

(iii) अनर्थ (iv) उत्कर्ष

3 - ' जिसकी गहराई का पता न मिल सके ' वाक्यांश के लिए एक शब्द है-

(i) अन्वेषक (ii) अदम्य

(iii) अशक्त (iv) अथाह

4 - ' मारना ' तथा ' उभरना ' शब्दों के भाववाचक संज्ञा है -

(i) 'मर ' तथा ' उभर ' (ii) ' मर ' तथा ' भर '

(iii) ' मार ' तथा ' उभार ' (iv) तीनों में से कुछ भी नहीं

5 - मोहन एक आज्ञाकारी छात्र है , तथा मोहना एक _____ छात्रा है।

(' आज्ञाकारी ' का लिंग बदलकर लिखें)

(i) आज्ञाकारिणी (iii) मनोहरिणी

(ii) आज्ञाकारीणी (iv) अवज्ञाकारी

6 - महेंद्र मामा जी के घर नहीं है। (वाक्य का शुद्ध रूप लिखिए)

(i) महेंद्र मामा जी के घर नहीं गया।

(ii) मामा जी के घर में महेंद्र नहीं है।

(iii) महेंद्र मामा जी के घर पर नहीं है।

(iv) महेंद्र मामा जी के घर पर है ।

7 - समर्थ पुस्तक पढ़ रहा है।

(वाक्य को कर्मवाच्य में लिखिए)

(i) समर्थ से पुस्तक पढ़ी जाती है।

(ii) से पुस्तक पढ़ी जाएगी।

(iii) समर्थ से पुस्तक पढ़ी जा रही है।

(iv) अर्थ से पुस्तक पढ़ जा रहा है।

8 - तुम्हारी _____ है कि तुम्हें महिमा की कोई गलती दिखाई ही नहीं देती। (उचित मुहावरे का प्रयोग कीजिए)

(i) आँखों पर पर्दा पड़ना

(ii) आँसू पोंछना

(iii) आँखे में धूल झोंकना

(iv) आपे से बाहर होना

SECTION-B (40 marks)

5. निम्नलिखित किन्हीं चार अवतरणों को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखें प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए: -

(1) " बस बीस के बाद थोड़ा लंबा हो गया था।"

(i) वक्ता तथा श्रोता कौन हैं? [2]

(ii) दोनों मित्र कितने वर्ष पूर्व और कितने बजे एक दूसरे से अलग हुए थे? [2]

(iii) आगंतुक ने दुकान के द्वार पर खड़े व्यक्ति से क्या कहा? [3]

(iv) 'कर्तव्य' और 'व्यक्तिगत स्वार्थ' में से किसे प्राथमिकता देनी चाहिए? क्यों? [3]

(2) " ठगा भी गया हूँ, धोखा भी खाया है, परंतु बहुत कम स्थलों पर विश्वासघात नाम की चीज़ मिलती है।"

(i) जीवन कब कष्टदायक हो जाता है? [2]

(ii) " वंचना " तथा " अवांछित " शब्दों के अर्थ लिखिए। [2]

(iii) कविवर रवींद्रनाथ ठाकुर ने अपने प्रार्थना गीत में ईश्वर से क्या प्रार्थना की थी? [3]

(iv) आशावादी दृष्टिकोण व्यक्ति के जीवन को किस प्रकार प्रभावित करता है? पाठ के आधार पर लिखिए। [3]

(3) "उन्होंने देखा, कहा - "ज़रा मुँह तो देखूँ ।" मैंने कहा- "मुँह, जीभ जो चाहे देखिए।"

(i) लेखक अपने मित्रों और परिवार के लोगों की सहानुभूति का आनंद किस प्रकार लेना चाहते थे? [2]

(ii) लेखक ने ऐसा क्या खा लिया कि वे पेट - दर्द से परेशान हो गए? [2]

(iii) अंत में आए डॉक्टर साहब की हँसी सुनकर लेखक चकित क्यों हुए? उन्होंने क्या इलाज़ बताया? [3]

(iv) क्या आप मानते हैं कि चिकित्सा केवल लाभ कमाने का साधन नहीं, बल्कि मानव सेवा का माध्यम है? पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए। [3]

(4) मैंने छुटपन में छिपकर पैसे बोए थे,
सोचा था, पैसों के प्यारे पेड़ उगेंगे,
रुपयों की कलदार मधुर फसलें खनकेंगी
और फूल फलकर, मैं मोटा सेठ बनूँगा।

(i) कवि ने अपने बचपन में छिपकर पैसे क्यों बोए थे? [2]

(ii) कवि ने धरती को बंध्या क्यों कहा? [2]

(iii) स्वार्थ एवं लोभवश धरती में पैसे बो कर कवि ने धरती का अपमान किस प्रकार किया? [3]

(iv) इस कविता का केंद्रीय भाव स्पष्ट कीजिए। [3]

(5) शंकित हृदय से कहा नारद ने विष्णु से
" काम तुम्हार ही था
ध्यान उसी में लगा रहा
नाम फिर क्या लेता और?"

(i) विष्णु जी ने नारद जी को कौन-सा काम सौंपा और क्यों? [2]

(ii) अंत में नारद जी ने किस सत्य को स्वीकार किया? [2]

(iii) विष्णु जी ने किसान की क्या विशेषता बताई? [3]

(iv) इस कविता का केंद्रीय भाव स्पष्ट कीजिए। [3]

**********ALL THE BEST **********